सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" धैर्य परखने के लिए जीवन में दुःख आते हैं और अहंकार परखने के लिए सुख ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–295 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 16 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सुरों और रागों से सजी 'स्वरम्' की संगीतमय संध्या, शास्त्रीय संगीत ने बांधा समां

रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में 'स्वरम' की शानदार प्रस्तुति, रागों से लेकर हाई एनर्जी सॉन्ग्स तक झूमे दर्शक

लक्ष्मी नारायण लहरे / रायपुर

राजधानी रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में सुरों और रागों से सजी एक यादगार संगीतमय शाम देखने को मिली। प्रसिद्ध गायिका श्रीया चक्रवर्ती द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम 'स्वरम्' में दर्शक शास्त्रीय रागों से लेकर हाई एनर्जी गीतों तक के सफर में झूम उठे।

यह कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र रागों पर आधारित रहा, जिसमें श्रीया ने राग आधारित गीतों की प्रस्तुति देकर सभी श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं द्वितीय सत्र में हाई एनर्जी सॉन्ग्स की प्रस्तुति ने पूरे ऑडिटोरियम को



झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरा कार्यक्रम लाइव ऑर्केस्ट्रा पर आधारित था। कार्यक्रम में श्रीया चक्रवर्ती के साथ मेल सिंगर के रूप में उनके गुरु आदरणीय समीर भट्टाचार्य ने गायन में उनका साथ दिया।

इस संगीतमय संध्या में शहर की संगीत और साहित्य जगत से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। इनमें पद्मश्री मदन चौहान, राजीव श्रीवास्तव, डॉ. संजय अलंग, साहित्य सृजन संस्थान के अध्यक्ष वीर अजीत शर्मा, राजकुमार मसंद, दीपक हटवार तथा



डॉ. मनीष श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी अतिथियों का सम्मान चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष एवं श्रीया चक्रवर्ती के पिता देवव्रत चक्रवर्ती द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीया की मां रूनाली चक्रवर्ती ने सभी रागों की विस्तार से जानकारी दी, जबकि बड़ी बहन केया चक्रवर्ती ने शानदार मंच संचालन कर समां बांध दिया। उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रोताओं ने कार्यक्रम की जमकर सराहना की।

ऑपरेशन निश्चय के तहत धमतरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 131 किलो गांजा के साथ महाराष्ट्र के 5 तस्कर गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

धमतरी पुलिस ने ऑपरेशन निश्चय के तहत मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 131.668 किलोग्राम गांजा के साथ महाराष्ट्र के 5 अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। सायबर थाना और अजुर्नी थाना की संयुक्त टीम ने श्यामतराई नाका पर घेराबंदी कर यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार 15 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा के जयपुर क्षेत्र से चारामा होते हुए महाराष्ट्र जा रही टाटा नैनो कार क्रमांक CG 07 MA 4067 और स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक MH 04 GD 7906 में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने श्यामतराई नाका में घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली, जिसमें कुल 131.668 किलो गांजा बरामद हुआ। एसपी भावना पांडेय के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में गांजा के साथ दो कारें और 5 मोबाइल फोन सहित कुल 72 लाख 45 हजार 400 रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

गिरफ्तार आरोपी में कुंदन उर्फ सचिन कैलाश ईगडे (27) निवासी मलकापुर वागुड़, बुलढाना, रामेश्वर सालिक राम दांडेगे (31) संभाजीनगर हाईवे रोड, जलगांव, राबिनसन लॉरेंस फर्नांडिस (32) वेलवाडे, जलगांव, लखन गुलाब बेलदार (34) वेलवाडे, जलगांव और गणेश विजय पाटिल (29) वेलवाडे, जलगांव शामिल हैं। सभी आरोपी महाराष्ट्र निवासी हैं।

जब्त सामग्री में 131.668 किलो गांजा कीमत 65,83,400 रु., टाटा नैनो 50 हजार, स्विफ्ट डिजायर 5 लाख और 5 मोबाइल 1.12 लाख सहित कुल 72,45,400 रुपए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है और गांजा के स्रोत, नेटवर्क और अन्य जुड़े लोगों की जांच की जा रही है।

घटमड़वा नाला में मिले युवक के अंधे कत्ल का पदार्फाश, आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। थाना गिधौरी क्षेत्र के घटमड़वा नाला बांध में मिले युवक के शव के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने महज कुछ घंटों में सुलझा ली है। पुलिस ने हत्या के आरोपी किशन साहू को गिरफ्तार कर लिया है। 14 नवंबर को सुबह 10:45 बजे सूचना मिली थी कि गिधौरी और घटमड़वा के बीच बहने वाले घटमड़वा नाला बांध में ग्राम गिधौरी निवासी आदित्य टंडन (19 वर्ष) का शव पानी में डूबा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो सिर-माथे पर गंभीर चोट के निशान मिले। प्रथम दृष्टया धारदार हथियार से हत्या का मामला प्रतीत हुआ। थाना गिधौरी में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और ग्रामीणों से पूछताछ की। पता चला कि 13 नवंबर की दोपहर मृतक आदित्य को आरोपी किशन साहू के साथ बांधा तालाब की ओर जाते देखा गया था और किशन के हाथ में फावड़ा था। शक के आधार पर किशन साहू को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

33 जिलों के 1,606 केंद्रों में शुरू हुआ उपार्जन, अब तक 1.98 लाख क्विंटल धान की खरीदी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने धरमजयगढ़ पहुंचे और खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। राज्य सरकार ने इस वर्ष किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की व्यवस्था की है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादन वाले जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कई बार कम उत्पादन अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण किसान निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ के अनुपात में धान नहीं बेच पाते। ऐसी स्थिति में भी पात्र किसानों को उनके सत्यापित रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई पात्र किसान प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान बेचता है, तो शेष 6 क्विंटल के बराबर की आदान सहायता राशि भी उसे प्रदान की जाएगी। इस प्रकार किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की पूरी निर्धारित सहायता मिलेगी। राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश के 3,095 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की व्यापक व्यवस्था : राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ विपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के 33 जिलों में कुल 3,095 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। 15 नवंबर 2026 की स्थिति में इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 1,10,979.20 क्विंटल मोटा धान, 80,489.60 क्विंटल पतला धान तथा 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है।

इसी प्रकार बेमेतरा जिले में 157 उपार्जन केंद्रों



धान खरीदी में बालोद और राजनांदगांव जिले सबसे आगे

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीदी की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बालोद जिले में 161 उपार्जन केंद्रों में से सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हो गई है। यहां अब तक सर्वाधिक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 26,464.40 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। महासमुंद जिले में 202 केंद्रों में से 201 में टोकन जारी हुए तथा 176 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 20,444.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। धमतरी जिले में 108 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 99 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 19,829.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है।

कवर्धा जिले में 144 उपार्जन केंद्रों में से 141 में टोकन जारी किए गए हैं तथा 80 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 7,386 क्विंटल धान खरीदा गया है। गरियाबंद जिले में 97 केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 92 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 6,743.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। बलरामपुर जिले में 54 केंद्रों में से 50 में टोकन जारी हुए तथा 34 केंद्रों में खरीदी शुरू हुई है। यहां 5,614 क्विंटल धान खरीदा गया है।

बस्तर से सरगुजा तक खरीदी की गतिविधियां जारी : बस्तर संभाग के जिलों में कांकेर के 163 उपार्जन केंद्रों में से 148 में टोकन जारी किए गए हैं तथा 54 केंद्रों में खरीदी शुरू हुई है। यहां 3,220.40 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। कोंडागांव जिले के 73 केंद्रों में से 64 में टोकन जारी हुए तथा 26 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 3,888.40 क्विंटल धान खरीदा गया है। बस्तर जिले में 88 केंद्रों में से 50 में टोकन जारी हुए तथा 9 केंद्रों में खरीदी शुरू हुई है। यहां 474 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। नारायणपुर जिले के 19 केंद्रों में से 13 में टोकन जारी हुए तथा सभी 13 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 294.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। बीजापुर जिले में 31 केंद्रों में से 8 में टोकन जारी हुए तथा 5 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 95.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। दंतेवाड़ा जिले में 16 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 13 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 22 क्विंटल धान खरीदा गया है। सुकमा जिले में 27 उपार्जन केंद्रों में से एक केंद्र में टोकन जारी हुआ है, जबकि खरीदी प्रारंभ होना शेष है।

देर रात्रि बड़ा फेरबदल, एसएसपी विजय अग्रवाल ने 337 पुलिसकर्मियों के किए गए तबादले



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने देर रात्रि एक साथ 03 सहायक उपनिरीक्षक, 64 प्रधान आरक्षक एवं 270 आरक्षकों के तबादला आदेश जारी किए हैं।

3 सउनि के तबादले – आदेश क्र. 549/2026 प्रशासनिक कारणों से तत्काल प्रभाव से सउनि राजेश दीवान को चौकी स्मृति नगर से रक्षित केंद्र दुर्ग, सउनि मदनलाल साहू को थाना उतई से थाना दुर्ग और सउनि ममता गुप्ता को थाना पद्मनाभपुर से थाना पुरानी भिलाई

किया गया। 64 प्रधान आरक्षकों के तबादले – आदेश क्र. 548/2026 प्रमुख तबादले में यातायात में भेजे गए – जिसमें अभिषेक पाण्डेय (मचांदुर से), तोरन सिंह अंगारे (महिला थाना से), विनोद कुमार यादव (खुसीपार से), पुरुषोत्तम कुमार साहू (भिलाई भट्ठी से), उपेन्द्र सिंह (सुपेला से), हेमन्त कुमार (वैशाली नगर से), पंकज चौबे, बच्ची लाल सिंह सहित 8 प्रधान आरक्षक शामिल हैं।

अन्य –विजय कुमार नाग (वैशाली नगर से नगपुरा), पृनेश कुमार साहू (जेवरा सिरसा से खुसीपार), कृष्ण कुमार (मोहन नगर से मचांदुर), अरुण सोनवानी (IUCAW से स्मृतिनगर), आत्मानंद कोसरे (स्मृतिनगर से पुलगांव), कृपा राम (दुर्ग से रक्षित केन्द्र–अस्पताल), राजेन्द्र वानखेड़े (पद्मनाभपुर से जामुल), ओमप्रकाश साहू (कुम्हारी से अरड शहर कार्यालय रीडर), हेमलता साहू (खुसीपार से नियंत्रण कक्ष), भेनुबाई (मोहन नगर से वैशाली नगर), पुष्पादेवी तिवारी (पद्मनाभपुर से सुपेला), संगीता बाई (जामुल से नेवई)।

270 आरक्षकों का तबादला – आदेश क्र. 547/2026 – सबसे बड़ा फेरबदल में यातायात को मजबूती 100 से अधिक आरक्षकों को विभिन्न थानों से यातायात में भेजा गया है। जिनमें गौतम ब्रह्म भट्ट (525), तेज प्रकाश साहू (1773), वसीम खान (969), तिलेश कुमार (1757), अविनाश सिंह (505), दुर्गेश सिंह (761) सहित बड़ी संख्या में आरक्षक शामिल हैं।

महिला आरक्षकों के तबादले – दीप्ति मुखिया (मोहन नगर से भिलाई भट्ठी), नीतू पद्माकर (मोहन नगर से भिलाई नगर), शानू सिंह (भिलाई नगर से स्मृतिनगर), जानकी साहू (जिविशा से मोहननगर), उमा उर्फ डॉली यदु (पद्मनाभपुर से पुरानी भिलाई) सहित 48 महिला आरक्षकों को अजाक, IUCAW, Dial–112, स्मृतिनगर में पदस्थ किया गया।

फील्ड से फील्ड – पवन ठाकुर (बोरी से स्मृतिनगर), जीवनलाल जंघेल (लिटिया सेमरिया से नगपुरा), टोपेन्द्र कुमार (पाटन से जेवरा सिरसा), फारूक अहमद (जामुल से उतई), राजकिरण ठाकुर (अंजोरा से स्मृतिनगर)।

यातायात से थानों में वापसी – कुशल राम (अजाक से पुरानी भिलाई), अनिल कुमार (यातायात से अजाक), दिव्यदेव सिंह (यातायात से अंजोरा), संजीव अहिरवार (यातायात से वैशाली नगर)। सभी तबादले तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश पर्यन्त अस्थाई तौर पर किए गए हैं। सभी थाना/चौकी प्रभारियों को आमद-रवानगी कर पालन प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

लखोली में बेलगाम हुआ गुंडाराज, तीन दिन में तीन वारदात

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर से लगे लखोली क्षेत्र में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से वार्डवासियों में दहशत का माहौल है। 11 नवंबर को एम्बुलेंस चालक से मारपीट और अपहरण, 13 नवंबर की रात गैस गाड़ी लूट और 15 नवंबर को सब्जी विक्रेता महिला से हफ्ता वसूली की शिकायत ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में गुंडाराज बेलगाम हो गया है।

पहली घटना - 11 नवंबर: एम्बुलेंस चालक को उठाकर ले गए, नदी किनारे पीटा

पीड़ित मृतंजर रोशन साहू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एम्बुलेंस चालक है। शिकायत के अनुसार 11 नवंबर को दोपहर 12 बजे आरोपियों ने उससे शराब पीने के लिए पैसा मांगा। नहीं देने पर गाली-गलौज और हाथ-मुक्के से मारपीट की।



आरोप है कि आरोपी तरुण साहू और साथियों ने उसे स्कूटी में बैठाकर मोहारा नदी के पास ले गए, जहां गजेन्द्र साहू भी पहुंच गया। चारों ने मिलकर जबरदस्ती शराब पिलाई, मोबाइल नदी में फेंक दिया और डंडे से बेरहमी से पीटा। बाद में उसे नानी के घर छोड़ दिया इस मामले में थाना लालबाग में धारा 296, 115(2), 351(2), 119(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज हुआ है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार जांगड़े के नेतृत्व में आरोपी (1) तरुण साहू पिता स्व. शिव कुमार साहू उम्र 19 साल निवासी राहुल नगर लखोली वार्ड 32 और (2) गजेन्द्र साहू पिता स्व. शिव कुमार साहू उम्र 26 साल निवासी राहुल नगर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

दूसरी घटना - 13 नवंबर: गैस गाड़ी रोककर लूट

वार्डवासियों के अनुसार 13 नवंबर की रात 7-8 लोगों की गैंग ने गैस सिलेंडर गाड़ी को रोककर कांच खुलवाया, ड्राइवर और हेल्पर के साथ मारपीट और गाली-गलौज की, जेब से रुपए और मोबाइल लूट लिए। पिकअप-बोलेरो पर ईंट-पत्थर से हमला किया, जिससे नई गाड़ी का कांच क्रैक हो गया, दरवाजा मुड़ गया। हेल्पर की उंगली में चोट आई है। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत के बाद दूसरे दिन सरेआम जान से मारने की धमकी दी गई।

तीसरी घटना - 15 नवंबर: सब्जी विक्रेता से हफ्ता वसूली का आरोप

15 नवंबर को सब्जी बेचने वाली कमला दीदी ने सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दी है कि उनके परिवार से साप्ताहिक उगाही / हफ्ता वसूली की जा रही है और धमकी दी जा रही है। वार्डवासियों ने मांग की है कि लखोली क्षेत्र में बढ़ रही घटनाओं पर वरिष्ठ अधिकारी स्वयं संज्ञान लेकर गश्त बढ़ाएं और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करें, ताकि क्षेत्र में कानून का राज स्थापित हो सके।

देवारपारा में नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, 26 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई



रायपुर। राजधानी के थाना तेलीबांधा क्षेत्र के सुभाष नगर देवारपारा में गांजे की खरीदी-बिक्री और नशे के अवैध कारोबार की लगातार मिल रही शिकायतों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रायपुर कमिश्नरेट के मध्य जोन के तहत 15 नवंबर को थाना तेलीबांधा पुलिस ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना स्टाफ के सहयोग से देवारपारा क्षेत्र में दबिश देकर सघन अभियान चलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए कुल 26 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और नशे से जुड़ी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर लगातार निगरानी रखकर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। रायपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने आसपास होने वाली नशे की अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।



महापौर अलका बघमार ने कहा - विकसित बचपन ही विकसित देश की नींव

दुर्ग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका सम्मान समारोह आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण एवं शहरी के द्वारा प्रेरणा सभाकक्ष दुर्ग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग महापौर अलका बघमार शामिल हुई। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा, देवनारायण चंद्राकर, पार्षद शशि साहू, रंजीता पाटील सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से हुआ। परियोजना अधिकारी दुर्ग ग्रामीण उषा झा ने कहा कि प्रतिवर्ष 14 नवंबर को महिला एवं बाल विकास विभाग की सुदृढ़ नींव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का सम्मान किया जाता है, यह सम्मान सिर्फ उनके काम की प्रशंसा नहीं, बल्कि मातृ शक्ति का सम्मान है। दुर्ग शहरी परियोजना अधिकारी अनीता सिंह ने कहा कि माता के समान बच्चों का ध्यान रखने वाली कार्यकर्ता-सहायिका का सम्मान गौरव की बात है।

महापौर अलका बघमार ने कहा कि विकसित देश की नींव विकसित बचपन पर निर्भर करती है, इस बचपन को सुदृढ़ करने का कार्य हमारी कार्यकर्ता-सहायिका हर दिन समर्पित होकर करती हैं। जनपद अध्यक्ष ने कहा कि विभागीय योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का कार्य कार्यकर्ता-सहायिका जिम्मेदारी से निभाती हैं।

सम्मान समारोह में सपोर्ट पर्सन सुरेश कापसे तथा आईसीपीएस टीम द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, दत्तक ग्रहण, स्पॉन्सरशिप योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल कल्याण समिति, फास्टर केयर आदि की जानकारी दी गई।

समारोह में कार्यकर्ता कल्याणी गौतम, सुनीता चंद्राकर, जनता बंछोर, धनेश्वरी साहू, सोनिका सोनी, नेहा तिवारी, पुष्पा नेताम सहित सहायिका सुमिन ठाकुर, संगीता मानकर, कुशमति साहू सहित कुल 40 से अधिक कार्यकर्ता-सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही कुर्सी दौड़, मटका फोड़, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें रामेश्वरी साहू, रानी यादव, हेमलता और किशोरी बालिका अदिति, रुचि को पुरस्कृत किया गया।



खास खबर

जिले में धान खरीदी महा अभियान का शुभारंभ, 123 उपार्जन केन्द्रों में होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश सहित जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में प्रदेश के राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, डीएमओ राहुल कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि विधायक ललित चन्द्राकर, कमिश्नर श्री राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापी यंत्र और भगवान बलराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान धान बेचने आये किसानों का पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। धान खरीदी का शुभारंभ ग्राम अण्डा के कृषक राजेश चन्द्राकर द्वारा लाये गये धान की खरीदी से हुई। मौके पर बोरे सहित तौल किया गया। इसी के साथ जिले के सभी 123 उपार्जन केन्द्रों में आज से धान खरीदी की शुरूआत हो गई है। पहले दिन उपार्जन केन्द्रों में खरीदी हेतु 92 केन्द्रों में 1938 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। धान खरीदी का कार्य 15 नवम्बर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर नियमित होगी। उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु किसानों के लिए समुचित प्रबंध किये गये हैं। शासन द्वारा धान कामन के लिए 2441 रूपए प्रति क्विंटल और धान ग्रेड-ए के लिए 2461 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित की गई है। अण्डा समिति में प्रथम दिवस 25 किसानों से 1230 क्विंटल धान की खरीदी होगी। समिति अंतर्गत 1980 किसान पंजीकृत है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि धान छत्तीसगढ़ की पहचान है और यहां के किसानों की अर्थव्यवस्था का आधार है। प्रदेश की संवेदनशील सरकार ने धान खरीदी के कड़ी में महत्वपूर्ण निर्णय जोड़ते हुए प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने वालों को भी आदान सहायता 13839 रूपए प्रदान करने जा रही है। साथ ही सुनियोजित सुव्यवस्थित ढंग से धान की खरीदी प्रारंभ की है। विधायक श्री चन्द्राकर ने अभियान की सफलता के लिए क्षेत्र के किसानों को निर्धारित समयावधि में धान बेचने की अपील की। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने धान खरीदी महाभियान के शुभारंभ पर किसानों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष धान खरीदी व्यवस्था में सुधार की जा रही है। जिसका लाभ किसान भाईयों को मिलने लगा है। उन्होंने व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी होने पर अवगत कराने पर त्वरित समाधान हेतु किसानों को भरोसा दिलाया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अवगत कराया कि विगत वर्ष 102 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हुई थी, किसान भाईयों के मांग पर इस वर्ष 21 केन्द्र बढ़ाये गये हैं। इस वर्ष 123 केन्द्रों में धान खरीदी होगी। सभी केन्द्रों में खरीदी हेतु समुचित प्रबंध किये गये हैं। नवीन उपार्जन केन्द्रों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भूमि आबंटन कर दी गई है। वीवीजी-रामजी योजना अंतर्गत यहां पर किसान कुटीर एवं अन्य निर्माण कार्य कराये जाएंगे। उन्होंने अवगत कराया कि इस बार जिले में करीब छह लाख मिट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। सीसीबी के सीईओ सुनील वर्मा ने जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया एवं वर्तमान में किसानों की समस्याओं के समाधान पर प्रशासन स्तर पर की गई पहल से उपस्थित किसानों को अवगत कराया।

जिस संत ने दीवारें तोड़ने की शिक्षा दी, उन्हें भी हमने संप्रदायों में बांट दिया : डॉ. अजय आर्य

कबीर किसी धर्म के नहीं, संपूर्ण मानवता की विरासत हैं



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एमजीएम पब्लिक स्कूल शांति नगर के साहित्यिक क्लब द्वारा 'समय से परे प्रज्ञा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि कबीर को संप्रदायों में बांटने के बजाय उनके विचारों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। धर्म की सार्थकता बाहरी आडंबरों में नहीं, प्रेम, करुणा और मानवीय व्यवहार में है। उन्होंने कहा कि पूजा-पाठ के बाद भी मन में कटुता और व्यवहार में भेदभाव बना रहे तो धार्मिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए। पहचान से पहले इंसानियत होनी चाहिए।

कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. एन.सी. वर्गीस, डायोसेसन एजुकेशन ऑफिसर फादर तेजी सी. वर्गीस, फादर लिबिन, उप प्राचार्या पी. पुण्यवती रेड्डी मंचासीन रहे। लीना, सोनी जोसेफ, आभा नेवालकर, विकास, आर. प्रिया सहित शिक्षक उपस्थित रहे। स्वागत भाषण स्वाति लॉरेंस और आभार अर्शी कुरैशी ने दिया।

आडंबर नहीं, आत्मपरिवर्तन है कबीर का चिंतन

डॉ. आर्य ने कहा कि कबीर को पढ़ना पर्याप्त नहीं, आचरण में उतारना जरूरी है। माला फेरने से अधिक महत्वपूर्ण मन के अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष को बदलना है। उन्होंने दोहा सुनाया -

माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर॥

धार्मिक संकीर्णता पर उन्होंने कहा -

क्या बनाने आए थे, क्या बना बैठे, कहीं मंदिर बना बैठे, कहीं मस्जिद बना बैठे। हमसे तो अच्छे हैं ये उड़ते परिंदे, कभी मंदिर में जा बैठे, कभी मस्जिद में जा बैठे। उन्होंने कहा जब इमारतें ऊंची और इंसानियत छोटी होने लगे, तब कबीर की सबसे अधिक जरूरत होती है। डिग्रियां ज्ञानी नहीं बनाती, विनम्रता और प्रेम बनाता है -

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय॥

विद्यार्थियों ने बांधा समां

संगोष्ठी में एमजीएम शांति नगर की श्रेयांशी मैथानी, एम.बी.वी.बी. की काजल साहू, शकुंतला विद्यालय की पी. पुजीता, एमजीएम शांति नगर की अवनी और एमजीएम सेक्टर-6 की परिधि सिंह ने कबीर पर प्रस्तुति दी। एमजीएम सेक्टर-6, मार्बल्स विद्या भवन, शकुंतला विद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों के प्रश्नों का डॉ. आर्य ने सहज और तार्किक उत्तर दिया।

प्राचार्या डॉ. एन.सी. वर्गीस ने कहा कि कबीर के विचार समता, सद्भाव और मानवता की प्रेरणा हैं।

सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का महापर्व है दिवाली : डॉ महेश चंद्र शर्मा



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठजन कल्याण महासंघ के तत्वावधान में नेहरू नगर भिलाई में दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह का रंगारंग आयोजन रविवार को हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। गायकों ने गीत संगीत प्रस्तुत कर समां बांधा जिससे श्रोता झूम उठे। कार्यक्रम में हिंदी एवं संस्कृत के प्रसिद्ध विद्वान आचार्य डॉ महेशचंद्र शर्मा, कला परंपरा के संपादक डॉ डीपी देशमुख, एक्स सीएमओ डॉ एच आर वार्ष्णेय, महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ महेश चंद्र शर्मा ने कहा सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का महापर्व है दीपावली। हर त्योहार में नारी को देवी के रूप में पूज्य बनाकर श्रेष्ठ स्थान दिया गया है। यही भारतीय संस्कृति की विशिष्टता है।

डॉ डीपी देशमुख ने दिवाली के पांच दिनों में आयोजित होने वाले प्रत्येक उत्सव की विशेषता एवं महत्ता प्रतिपादित की और उसकी मूल अवधारणा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जन-जन से जुड़ा हुआ है दिवाली। कार्यक्रम के आरंभ में आयोजित संगोष्ठी में आधार वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा सामाजिक चेतना एवं पारिवारिक जनजागरण का अनूठा पर्व है दीपावली। यह भारतीय संस्कृति का महान पर्व है, जिसकी पौराणिक मान्यता है।

समारोह में दीपावली के अवसर पर "घर-घर बांटें रोशनी एवं और फैलाएं खुशियां अभियान" में जरूरतमंदों की सेवा में सक्रिय योगदान देने वाले सेवादारों एवं महासंघ से जुड़े नये सदस्यों को अंगवस्त्र, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी लोगों ने इस अभियान की तहे दिल से प्रशंसा करते हुए आगे भी ऐसा ही जरूरतमंद लोगों की सेवा अभियान जारी रखने का संकल्प लिया। अभियान में अर्थदान एवं सक्रिय योगदान देने वालों में आचार्य डॉ महेश चंद्र शर्मा, डॉ डीपी देशमुख, डॉ एच आर वार्ष्णेय, दिनेश कुमार गुप्ता, गोपाल प्रसाद तिवारी, संतोष शुक्ला, जोसफ, कृष्णाराम मार्कण्डेय, धानेश्वर निर्मल, श्रीमती शैलजा वार्ष्णेय, छाया विश्वकर्मा, सुरेश जैन, घनश्याम यादव, ओमप्रकाश साहू, धर्मेन्द्र अग्रवाल, हुकुमचंद देवांगन का सम्मान किया गया।

सेवा, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है सिख समाज-वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर दुर्ग में आयोजित भव्य जुलूस में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख समाज के लोगों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रकाश पर्व के अवसर पर निकाले गए जुलूस में सिख समाज के लोगों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया। जुलूस में गुरु साहिबानों के जयकारों और धार्मिक भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

इस अवसर पर अरुण वोरा ने कहा कि सिख समाज का इतिहास त्याग, तपस्या, बलिदान, सेवा और मानवता की मिसाल रहा है। सिख गुरुओं ने समाज को सत्य, समानता, भाईचारे और निस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाया है। गुरु साहिबानों की शिक्षाएं केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि सिख समाज ने हमेशा देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुरुद्वारों में चलने वाली लंगर और सेवा की परंपरा हमें सिखाती है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है और समाज में सभी को समान सम्मान मिलना चाहिए।

रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा के वार्ड प्रभारी वं ाह प्रभारियों की ली गई बैठक



नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

आगामी रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव की बैठक के पश्चात दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में वार्ड प्रभारी एवं सह प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव सह प्रभारी आशु चंद्रवंशी एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में रिसाली नगर निगम चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती और वार्डवार चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मंडल प्रभारी शिवेंद्र परिहार, दिनेश देवांगन, जनपद पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, उतई नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, मंडल भाजपा अध्यक्ष अनुपम साहू एवं राजू जंघेल सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में चुनाव संचालन की रूपरेखा तैयार करने के साथ वार्डवार संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और चुनावी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। साथ ही सभी वार्ड प्रभारियों एवं सह प्रभारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप सक्रिय होकर कार्य करने तथा निर्धारित समय सीमा में संगठनात्मक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि यहां उपस्थित सभी कार्यकर्ता चुनाव लड़ने और चुनाव लड़वाने का व्यापक अनुभव रखते हैं। सभी के कुशल नेतृत्व, समर्पण और परिश्रम से इस बार रिसाली नगर निगम चुनाव में जीत का ऐसा नया इतिहास रचना है, जो पहले कभी नहीं बना हो। उन्होंने कहा कि सभी वार्ड प्रभारी एवं सह प्रभारी अभी से अपने-अपने वार्डों में सक्रिय होकर चुनावी गतिविधियों को गति दें। आचार संहिता लागू होने से पहले संगठन के प्रमुख कार्यों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है।

श्री कौशिक ने कहा कि दुर्ग जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधानसभा, लोकसभा, नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में अपनी संगठनात्मक क्षमता और परिश्रम का परिचय दिया है। इसी अनुभव और साम्हिक शक्ति के साथ इस बार भी सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर ऐतिहासिक परिणाम हासिल करने के लिए जुटना होगा।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि रिसाली नगर निगम चुनाव भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। पार्टी का मजबूत संगठन, समर्पित कार्यकर्ता और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ जनता के बीच पहुंचें तथा सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से भाजपा रिसाली में विजय का परचम लहराएगी।

वहीं चुनाव सह प्रभारी आशु चंद्रवंशी ने कहा कि चुनाव में सफलता प्राप्त करने के लिए बूथ स्तर तक मजबूत संगठनात्मक तैयारी और वार्डवार प्रभावी रणनीति आवश्यक है। प्रत्येक प्रभारी एवं सह प्रभारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप चुनावी तैयारियों को गति दें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास और संगठन की मजबूती से भाजपा रिसाली नगर निगम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। बैठक के अंत में उपस्थित सभी वार्ड प्रभारियों एवं सह प्रभारियों ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करने तथा रिसाली नगर निगम चुनाव में भाजपा की विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

बाल दिवस 2026 पर डीएलएसए दुर्ग की विशेष पहल, डॉन योजना के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों व सुरक्षित बचपन के प्रति किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा बाल दिवस (14 नवंबर) के अवसर पर 14 नवंबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक एक पखवाड़े का विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान मुख्य रूप से 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों पर केंद्रित है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों की समय रहते पहचान करना तथा उन्हें आवश्यक विधिक एवं अन्य उचित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के अंतर्गत जिलेभर के विद्यालयों एवं विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से किया जा रहा है। इसी क्रम में बाल दिवस के अवसर पर विश्वदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय सहित जिले के अन्य विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के न्यायाधीश प्रशांत पाराशर, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग, दीपक कुमार कोशले, पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग तथा श्रीमती श्यामवती मरावी, षष्ठम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। न्यायाधीशगण ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक, जिम्मेदार एवं सतर्क नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की डॉन योजना, 2025 के अंतर्गत 14 नवंबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक संचालित विशेष पखवाड़ा अभियान की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। इस अवसर पर योजना से संबंधित जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों को नशे एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों, उनके सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों तथा इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों के प्रलोभन से बचने तथा अपने मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित इस पखवाड़े अभियान का उद्देश्य बच्चों तक केवल विधिक जानकारी पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा, संरक्षण एवं बेहतर भविष्य के लिए एक जागरूक और सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना भी है। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ, नशामुक्त एवं भयमुक्त वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने और अपना सर्वांगीण विकास करने का अधिकार है। बच्चों का संरक्षण एवं उनका उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना परिवार, विद्यालय, प्रशासन एवं समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।



उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने तोड़ा व्रत, छठ महापर्व का समापन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

चार दिनों से चल रहे लोक आस्था के महापर्व छठ का आज सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर समापन हो गया। अलसुबह से ही टिवनसिटी के सभी तालाबों-घाटों पर भक्तों का रेला उमड़ पड़ा।

व्रतधारियों ने टोकरी में ठेकुआ, फल और सूप सजाकर उगते सूर्यदेव को दूसरा अर्घ्य दिया और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। अर्घ्य के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत तोड़कर पारण किया गया। रविवार 15 नवंबर को डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया था।

बाजे-गाजे के साथ पहुंचे व्रती, घाटों पर हुई आतिशबाजी

आज तड़के 4 बजे से ही व्रतधारी बाजे-गाजे और छठ गीतों के साथ घाट पहुंचे। सेक्टर-2, सेक्टर-1, सेक्टर-7, बैकुंठधाम, रामनगर मुक्तिधाम, छावनी, खुसीपार, शीतला तालाब, मरोदा सहित सभी घाट दुल्हन की तरह सजे थे। उगते सूर्य के अर्घ्य के दौरान घाटों पर जोरदार आतिशबाजी का मनमोहक नजारा देखने को मिला, पूरा आकाश रोशनी से जगमगा उठा।

विभिन्न संगठनों ने की जलपान की व्यवस्था

सेवा भावना के तहत विभिन्न सामाजिक संगठनों, छठ पूजा समितियों और युवाओं ने सभी घाटों पर व्रतधारियों और श्रद्धालुओं के लिए चाय, जलपान और प्रसाद की व्यवस्था की थी। जगह-जगह भंडारे भी लगाए गए।

जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

दूसरे दिन के अर्घ्य में भी जनप्रतिनिधियों का तांता लगा रहा। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, महापौर नीरज पाल, जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन सहित पार्षदगण सुबह-सुबह घाट पहुंचे और व्रतधारियों से भेंट कर शुभकामनाएं दीं।



आस्था, श्रद्धा और लोकमंगल का महापर्व है छठः देवेंद्र यादव

विधायक ने विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर दिया डूबते सूर्य को अर्घ्य, व्रतियों और श्रद्धालुओं से मिलकर लिया आशीर्वाद



लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-2, छावनी, खुसीपार, रामनगर सहित अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों में पहुंचकर छठ महापर्व में शामिल हुए श्रद्धालुओं के बीच समय बिताया और पूजा-अर्चना में सहभागिता की।

इस दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेश और शहरवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने छठ व्रत कर रही माताओं-बहनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, विश्वास, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। यह ऐसा पावन पर्व है, जो हमें प्रकृति और जीवन के आधार सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना सिखाता है। छठी मैया की आराधना में व्रतियों की कठिन तपस्या, नियम-निष्ठा और अटूट विश्वास हर किसी को प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करने वाला महापर्व भी है। इस पर्व में जाति, वर्ग और समाज की सीमाएं मिट जाती हैं और पूरा समाज एक साथ मिलकर श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग जाता है। देवेंद्र यादव ने छठी मैया और सूर्यदेव से कामना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे तथा भिलाई सहित पूरा छत्तीसगढ़ खुशहाल और समृद्ध हो।





सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने छठ घाटों पर पहुंचकर दी शुभकामनाएं, डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू ने शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर व्रतधारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इंद्रजीत सिंह छोटू ने रामनगर मुक्तिधाम तालाब, कोहका और सुपेला घाट पहुंचकर डूबते हुए सूर्य देव को अर्घ्य दिया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने छठ व्रत कर रही माताओं-बहनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और छठी मैया से सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

इस अवसर पर उनके साथ मलकीत सिंह सहित सर्व कल्याण समाज के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी ने घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं से भेंट की और पर्व की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

तालाब घाट पर जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन से भी उनकी मुलाकात हुई, जहां दोनों ने एक-दूसरे को छठ महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान का पर्व है। यह पर्व हमें सूर्य उपासना के साथ-साथ सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देता है।

ट्विनसिटी में सभी समाजों में दिखा छठ पूजा का उत्साह, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने उमड़े श्रद्धालु



सेक्टर-2 सहित सभी तालाबों में घाटों पर उमड़ी भीड़, छठमय हुआ माहौल

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए... छठ के पारंपरिक गीतों की गूंज, सिर पर पूजा सामग्री से सजे सूप और दौरा लेकर घाटों की ओर बढ़ते व्रतधारी... ऐसा ही आस्था से भरा नजारा रविवार को टिवनसिटी भिलाई-दुर्ग के सभी प्रमुख तालाबों और घाटों पर देखने को मिला।

चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी पर व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। रविवार की छुट्टी होने के कारण इस बार घाटों पर सुबह से ही चहल-पहल रही और शाम होते-होते श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। परिवार सहित पहुंचे लोगों ने पूरे विधि-विधान से छठी मैया और सूर्य देव की पूजा-अर्चना की। 36 घंटे के इस कठोर व्रत का समापन सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

व्रतियों ने पूरे दिन ठेकुआ, चावल के लड्डू सहित छठ प्रसाद तैयार किया और सभी ऋतु फल, बांस की टोकरी (दौरा) और अर्घ्य का सूप सजाकर परिवार और पड़ोस के लोगों के साथ घाट पर पहुंचकर सूर्यास्त के समय अर्घ्य दिया।

भरी गई कोसी : जिन घरों में शादी, संतान प्राप्ति या अन्य शुभ कार्य हुए थे, वहां रात में कोसी भरी गई। महिलाओं ने गन्ने का मंडप सजाकर पंचदीप जलाए और छठ गीत गाकर रात जागरण किया।

उदीयमान सूर्य को आज देंगे अर्घ्य : कार्तिक शुक्ल सप्तमी यानी सोमवार सुबह चौथे दिन व्रती उदित भास्कर को अर्घ्य देकर कच्चे दूध का शरबत, अदरक, गुड़ और चने का प्रसाद लेकर व्रत का पारण करेंगे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने परिवार सहित किया अर्घ्य दान

सेक्टर-2 तालाब में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने घर-परिवार और क्षेत्रवासियों की खुशहाली के लिए छठ व्रत कर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ बेटा-बहू मनीष-विनिता पांडेय और छोटे भाई प्रशांत पांडेय ने पूजा संपन्न कराई। उन्होंने पोती मानवी के हाथों माथे पर तिलक लगवाया और पूरे घाट की परिक्रमा कर व्रतधारियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि वे बचपन से छठ पूजा देखते आ रहे हैं, समय के साथ यह पर्व व्यापक होकर बड़े जनसमुदाय की आस्था का पर्व बन चुका है। छठ सामाजिक एकता, पारिवारिक जुड़ाव और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छठ एकमात्र पर्व है जहां अस्त होते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है, जिससे नई उम्मीद और सकारात्मकता का संचार होता है।

होर्डिंग का अखाड़ा बने घाट, गूंजे छठ गीत

भिलाई के प्रमुख तालाबों को दुल्हन की तरह सजाया गया। सेक्टर-2 तालाब छोटे-बड़े होर्डिंग का अखाड़ा बना नजर आया। वहीं पाटरी पार स्थित बैकुंठधाम तालाब को सुंदर ढंग से सजाया गया। सेक्टर-1 पार्क में स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा की स्मृति में गोकुल शर्मा, शरद मिश्रा, पीसी राव, सोनल दुबे, विनय चौबे द्वारा व्रतधारियों के लिए रंग-बिरंगी लाइटिंग से पूजा वेदी बनाई गई।



रामनगर, छावनी, खुसीपार, संजय नगर, शीतला तालाब, मरोदा तालाब, जवाहर उद्यान और दुर्ग के दीपक नगर, तितुरडीह, बोरसी सहित सभी तालाबों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोतम देवांगन, पार्षद भोजराम सिन्हा, प्रमोद सिंह, सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी घाटों पर पहुंचे और श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं दीं।



छठ महापर्व को लेकर निगम क्षेत्र के तालाबों में साफ-सफाई और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था

छठ महापर्व के मद्देनजर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों में व्यापक साफ-सफाई एवं आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। इसके तहत हुडको तालाब, सेक्टर-7 तालाब, सेक्टर-2 तालाब, सेक्टर-1 कुंड तालाब, लक्ष्मण तालाब, बापू नगर तालाब, बैकुंठ धाम तालाब, हाउसिंग बोर्ड सूर्यकुंड तालाब, नक्टा तालाब कुरूद, भेलवा तालाब कोहका सहित अन्य तालाबों में साफ-सफाई कराई गई है। साथ ही घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की गई है। छठ पर्व पर व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निगम प्रशासन द्वारा तालाबों एवं घाटों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है। निगम का उद्देश्य श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि सभी लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें।

संपादकीय

बड़े आरोप लगाने से कुछ होता तो हो गया होता

राजनीति में बड़े बड़े आरोप लगाने से कुछ नहीं होता है। राजनीति में महज आरोप लगाने से कुछ होता तो अब तक देश में 12 साल में बहुत कुछ हो चुका होता। आरोप लगाने से 12 साल में कुछ नहीं हुआ तो आरोप लगाने वालों को समझ आ जाना चाहिए कि आरोप लगाने से कुछ नहीं होता है। उनके आरोप लगाने से अब तक कुछ नहीं हुआ तो आने वाले समय में भी कुछ नहीं होना है। राहुल गांधी जैसे आरोप लगाने वाले तो 12 साल से आरोप लगा रहे हैं कि लोकतंत्र खतरे में है,संविधान खतरे में है। देश में लोकतंत्र की हत्या कर दी गई है,चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा व संघ ने कब्जा कर लिया है, मीडिया निष्पक्ष नहीं रह गया है। राहुल गांधी इतने आरोप लगा चुके हैं कि उनके पास लगाने को अब कोई नया आरोप नहीं बचा है,यही वजह है कि अब वह आरोपों को दुहराते रहते हैं। वह सोचते हैं उनके आरोप लगाने का कभी तो कोई असर होगा। लेकिन वह मुगालते में है, उनके लगाए आरोपों का देश की जनता पर कोई असर नहीं होता है क्योंकि देश की जनता को मोदी पर जितना भरोसा है,उतना राहुल गांधी पर नहीं है। राहुल गांधी आरोपों को दोहरा कर अपनी साख कम करते जा रहे हैं,उनको यह समझ ही नहीं आ रहा है कि वह अपनी साख खुद कम कर रहे हैं।

हैदराबाद में राहुल गांधी ने फिर एक बार पुराने आरोप लगाए हैं,एक भी आरोप नया नहीं है। उन्होंने 'फासीवादी ताकतों' के उभार की बात की। यह पहले भी कह चुके हैं, उन्होंने कहा कि जब संस्थाएं और व्यवस्थाएं ढहने लगती हैं, तो ऐसी ताकतें अक्सर ज्यादा मुखर हो जाती हैं उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अक्सर व्यापार, शिक्षा और राजनीति जैसे प्रभावशाली क्षेत्रों में ऊंचे पदों पर काबिज होते हैं। ऐसे लोग दूसरों की बात सुनने के बजाय चिल्लाकर बातचीत पर हावी होने की कोशिश करते हैं ।अगर यही फासीवादी होने का लक्षण है तो देश की जनता तो देखती है संसद में बहस करने की बजाय कौन सबसे ज्यादा शोरगुल करता है ।राहुल गांधी के तर्क के हिसाब से संसद में विपक्ष फासीवादी आचरण करता है ।राहुल गांधी ने 2014 के लोकसभा चुनावों का भी जिक्र करते इसे भारतीय राजनीति में एक बड़ा मोड़ बताया। क्योंकि इस चुनाव के दौरान राजनीतिक व्यवस्था में इतनी बड़ी मात्रा में पैसा आया, जिसने उन स्थापित चुनावी व्यवस्थाओं को बिगाड़ दिया, जिनकी वजह से पहले कड़े मुकाबले होते थे और गठबंधन सरकारें बनती थीं यानी राहुल गांधी लोकतंत्र में बहुमत वाली व्यवस्था को खराब और गठबंधन वाली कमजोर सरकार वाली राजनीतिक व्यवस्था को अच्छा बता रहे हैं यह एक तरह से कह रहे हैं कि यह देश की जनता की गलती है कि उसने बहुमत वाली सरकार बनाई और बार बार बहुमत वाली सरकार बना रही है यानी राहुल गांधी के हिसाब से तो जनता बार बार गलती कर रही है।

फिर राहुल गांधी कहते हैं कि हमने इसका पता लगा लिया है और बिना किसी संदेह के यह साबित कर दिया है कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया था।" यह भी कोई नई बात नहीं है राहुल गांधी कई बार कह चुके हैं कि देश में लोकतंत्र नहीं है। राहुल गांधी की बात पर देश की जनता को यकीन नहीं होता है क्योंकि जनता तो देख चुकी हैं कि देश में जब लोकतंत्र नहीं रहता है तो आपातकाल लगा दिया जाता है,सरकार के खिलाफ बोलने वालों को जेल में डाल दिया जाताहै। अदालत होते हैं लेकिन अदालत में कोई सुनवाई नहीं होती है। किसी का कोई अधिकार नहीं रह जाता है। 2014 के बाद से 12 साल हो गए है देश में लोकतंत्र नहीं है और देश की जनता को इसका पता नहीं चल रहा है तो सीधी सी बात है कि राहुल गांधी जिस परिवार से आते हैं,उसका देश में लोकतंत्र होने का यही मानना है कि हम सत्ता में नहीं है तो देश में लोकतंत्र नहीं है। हम सत्ता में नहीं हैं तो देश में हालात बहुत खराब हैं, हम सत्ता में नहीं है तो देश में सब कुछ बहुत बुरा है।

राहुल गांधी कहते हैं कि पिछले एक दशक में बीजेपी की संपत्ति 11 गुना बढ़ गई है तो यह अडानी आदि अमीरों के हित में काम करने के कारण है तो एक समय कांग्रेस के पास सभी राजनीतिक दलों से ज्यादा संपत्ति या पैसा हुआ करता था,तब क्या कांग्रेस भी अमीरों को हित में काम करती थी। सच तो यह है कि कांग्रेस को फंड अब अमीर घरानों से मिलना बंद हो गया है क्योंकि वह पैसा या तो सत्ता में रहनेवालों को देते हैं या फिर उस राजनीतिक दल को देते है जो सत्तारूढ दल का विकल्प होता है यानी राजनीतिक रूप से दूसरे नंबर पर होता है, जिसके सत्ता में आने की सबसे ज्यादा संभावना होती है तो कायदे से दूसरे नंबर पर कांग्रेस है फिर भी उसे कम फंड मिल रहा है तो इसका कारण राहुल गांधी हैं क्योंकि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस से सत्ता में लौटन की कोई उम्मीद नहीं है,इसलिए अमीर घराने कांग्रेस को कम पैसा चंदा देते हैं।

अपने संबोधन के आखिर में, गांधी ने भरोसा जताया कि विपक्ष मोदी को हरा देगा और प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा, "मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि हम पीएम मोदी को हराने जा रहे हैं और उनसे छुटकारा पाने जा रहे हैं। कोई उनसे पूछता कि क्या आप बता सकते हैं कि आप पीएम मोदी को कैसे हराएंगे तो वह इसका कोई जबाब नहीं देते क्योंकि एक चुनाव की जगह तीन चुनाव में वह पीएम मोदी को हराने की जगह हार चुके है, तीसरे चुनाव में जीतने की उनकी कोई तैयारी नहीं है उन पर देश की जनता के अलावा विपक्ष के नेता भी पूरा भरोसा नहीं करते हैं कि वह राज्य में चुनाव जीत सकते हैं या जिता सकते हैं ,यही वजह है वह कांग्रेस को ज्यादा सीटें नहीं देते हैं, ऐसा भी कभी नहीं हुआ कि दिल्ली से कहा गया कि कांग्रेस नेताओं को दिल्ली आना है तो बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता दिल्ली नहीं पहुंचे। इसके लिए भी राहुल गांधी दोषी हैं क्योंकि वह कांग्रेस को कई राज्यों में भी चुनाव नहीं जिता पा रहे हैं,कांग्रेस के सत्ता में नहीं रहने पर राज्य कांग्रेस के पास भी इतना पैसा नहीं है कि वह हजारों नेताओं को अपने पैसे पर दिल्ली भेज सके ।राहुल गांधी पराजित नेता हैं,कमजोर नेता हैं,इसलिए कांग्रेस पराजित पार्टी है,कमजोर पार्टी है।

दुनिया के नफरती शासकों के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव

तनवीर जाफरी

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में ह्वविभाजित सरकारह्व की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन राज्यों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयून) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं।



इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राज्य की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैर्लैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी।

अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की मागा Make America Great Again' मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे 'MAGA' की आड़ में छुपे ट्रंप के नफरती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और गजा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का जहर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफरती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के खिलाफ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक कानून का डर दिखाना आदि शामिल था।

मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार क्रूर, हिंसक व जिहादी कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि एक जिहादी मुस्लिम ब्रदरहुड सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां मेटल डिटेक्टर लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को मोहम्मद कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफरती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया।

इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है। इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफिस में कहा कि हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं। इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने मूल देशों (फिलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया कानून लागू हो जाएगा। नफरती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। गौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने जोहरान ममदानी के खिलाफ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था उन्होंने ममदानी को 100% पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक,विदेशी,देश विरोधी,न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया।

रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरजोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस तरह की विभाजनकारी बयानबाजी की निंदा करते हुए इसे नस्लवादी करार दिया। उधर इस आक्रामक और इस्लामोफोबिक प्रचार का उल्टा असर यह हुआ कि इसने मुस्लिम और अल्पसंख्यक मतदाताओं को तो लामबंद किया ही साथ ही उदारवादी अमेरिकन ईसाईयों ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन किया जिसके परिणामस्वरूप 2026 के चुनावों में रिकॉर्ड 7 मुस्लिम उम्मीदवार अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुने गए। नि:संदेह अमेरिका के चुनाव दुनिया के नफरती शासकों के लिये साफ सन्देश हैं कि नफरत की सियासत अधिक समय तक परवान नहीं चढ़ती।

जलवायु संकट से निपटने के लिए सरकार को बनानी होगी ठोस रणनीति

डॉ. विजय गर्ग

जलवायु संकट आज दुनिया के सामने खड़ी सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन गया है। बढ़ता तापमान, गर्मी की लहरें, बाढ़, सूखा, बेमौसम बारिश, तूफान और मौसम के बदलते स्वरूप मानव जीवन, कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। ये घटनाएं अब कभी-कभार होने वाली प्राकृतिक आपदाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि लगातार अधिक बार और अनिश्चित रूप में सामने आ रही हैं।



भारत इस संकट के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि देश की बड़ी आबादी कृषि और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करती है। पंजाब सहित अन्य कृषि प्रधान राज्य भी बदलते मौसम के प्रभावों का सामना कर रहे हैं। अत्यधिक गर्मी, अनियमित वर्षा, भूजल का गिरता स्तर और फसलों को होने वाला नुकसान किसानों तथा आम नागरिकों के लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं।

ऐसी परिस्थितियों में सरकार को जलवायु संकट से निपटने के लिए एक मजबूत, व्यापक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार करनी होगी। आपदा आने के बाद केवल राहत पैकेजों की घोषणा करना पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय रोकथाम, पूर्व तैयारी, समय पर चेतावनी और प्रभावी आपदा प्रबंधन पर ध्यान देना आवश्यक है।

सबसे पहले मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत बनाने की जरूरत है। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेडियो और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से समय पर जानकारी पहुंचनी चाहिए। इससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

दूसरा, कृषि नीतियों को बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बनाना होगा। किसानों को जलवायु अनुकूल फसलों, पानी बचाने वाली सिंचाई तकनीकों, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। किसानों को अप्रत्याशित नुकसान से बचाने के लिए वित्तीय सहायता और फसल बीमा भी आसानी से उपलब्ध होना चाहिए।

तीसरा, शहरी नियोजन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। जल निकासी की खराब व्यवस्था, अनियोजित निर्माण और हरित क्षेत्रों का विनाश बाढ़ तथा गर्मी की लहरों के प्रभाव को बढ़ाते हैं। शहरों में बेहतर जल निकासी व्यवस्था, वर्षा जल संचयन, हरित क्षेत्र और पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचे का विकास करना चाहिए।

सार्वजनिक स्वास्थ्य को भी जलवायु संकट से निपटने की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना होगा। गर्मी की लहरों से निर्जलीकरण, लू लगने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। बच्चे, बुजुर्ग और खुले में काम करने वाले लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं। अस्पतालों, स्कूलों और कार्यस्थलों पर आपातकालीन योजनाएं होनी चाहिए।

इसके अलावा, जलवायु शिक्षा और जन-जागरूकता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। नागरिकों को पानी बचाने, पेड़ लगाने, प्रदूषण कम करने, कचरे का उचित प्रबंधन करने और जैव विविधता की रक्षा करने के महत्व को समझना चाहिए। सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिकों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय समुदायों को मिलकर काम करना होगा। जलवायु संकट से निपटना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, वैज्ञानिक संस्थानों और नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। नीतियों को प्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त बजट, पारदर्शी कार्यान्वयन और नियमित निगरानी भी जरूरी है।

अब समय आ गया है कि जलवायु संकट से निपटने की तैयारी को कभी-कभार की प्रशासनिक जिम्मेदारी के बजाय राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। आज तैयार की गई मजबूत रणनीति भविष्य में मानवीय पीड़ा, आर्थिक नुकसान और पर्यावरणीय क्षति को कम कर सकती है। सुशासन की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात में नहीं है कि सरकार आपदा आने के बाद कितनी कुशलता से प्रतिक्रिया देती है, बल्कि इस बात में है कि आपदा आने से पहले समाज को तैयार करने में कितनी सफल होती है।

सरकारी वादे की फाइल दफन, सड़कों पर उतरा अधिवक्ताओं का गुस्सा

अजय कुमार

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज हुआ तो सरकार ने भरोसा दिया था अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए कानून बनेगा। तीन सदस्यीय समिति गठित हुई, पांच सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी और मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हुई। तीन साल गुजर गए। कानून नहीं आया। अब लखनऊ में वकील बैरिकेड तोड़ रहे हैं और सरकार फिर पुलिस के घेरे में छिपी दिखाई दे रही है। सवाल सीधा है : जिस सरकार को कानून-व्यवस्था पर सबसे ज्यादा भरोसा है, वह कानून की पैरवी करने वालों की सुरक्षा का कानून तीन साल में क्यों नहीं बना पाई? क्या समिति बनाना ही शासन की अंतिम उपलब्धि है? 14 नवंबर को कैसरबाग अदालत से निकले अधिवक्ता परिवर्तन चौक, अटल चौक और हजरतगंज होते हुए विधानसभा की ओर बढ़े। पुलिस ने रास्ता रोका तो बैरिकेड टूटे, कुछ वकील उन पर चढ़े और धक्कामुक्की हुई। मगर तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम जरूरी नहीं। कानून बनवाने निकले लोग अगर रास्ते और बैरिकेड को ही कानून से ऊपर समझने लगें तो उनकी मांग की नैतिक ताकत घटती है। सरकार की विफलता वकीलों को मनमानी का लाइसेंस नहीं देती।



हापुड़ की घटना 29 अगस्त 2023 को हुई थी। लाठीचार्ज के बाद प्रदेशभर में अधिवक्ताओं ने कामकाज का बहिष्कार किया। 14 सितंबर को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बार काउंसिल के प्रतिनिधियों से बातचीत हुई। सरकार ने पांच सूत्रीय मांगों पर सहमति दी। हापुड़ के एएसपी को हटाने, सीओ और निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई, आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने और अधिवक्ता सुरक्षा कानून के लिए समिति बनाने का आश्वासन दिया गया। 20 सितंबर को विधायी विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित होने की खबर प्रकाशित हुई। समिति को सुझाव राज्य विधि आयोग तक पहुंचने थे। उसके बाद क्या हुआ? सरकार की तीन साल की चुप्पी बता रही है कि फाइल का सफर जनता से छिपा हुआ है। सरकार बताए कि हापुड़ समझौते की कौन-सी शर्तें पूरी हुईं। अधिकारियों के तबादले को सुरक्षा कानून का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। पुलिस की जवाबदेही है, लेकिन टकराव में पुलिस को खलनायक और अधिवक्ता को पीड़ित मान लेना न्याय नहीं। जांच हो और दोषी वर्दी में हो या काले कोट में, कार्रवाई से न बचे।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री का दावा है कि मसौदा तैयार हुआ और ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यदि यह दावा सही है तो सरकार बताए कि किसने रोका, क्यों रोका और किस स्तर पर आपत्ति लगी। यदि मसौदा बना ही नहीं तो समिति की जवाबदेही तय हो। योगी सरकार को अब गोलमोल बयान नहीं, मसौदा, बैठक का रिकॉर्ड, विभागीय टिप्पणियां और विधेयक लाने की समयसीमा सार्वजनिक करनी चाहिए। तीन साल बाद भी अगर जवाब विचार चल रहा है तो यह विचार नहीं, प्रशासनिक टालमटोल है। अधिवक्ता सुरक्षा कानून की जरूरत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। पेशे के कारण धमकी, हमला या दबाव झेलने वाले वकीलों को त्वरित प्राथमिकी, निष्पक्ष जांच और समयबद्ध अभियोजन का भरोसा मिलना चाहिए। लेकिन कानून ऐसा न बने कि काला कोट जांच से बचने की ढाल बन जाए। झूठी शिकायत, धमकी, वसूली या पेशे की आड़ में दबाव बनाने पर भी कार्रवाई हो। सुरक्षा अधिकार है, विशेषाधिकार नहीं। कानून का सम्मान मांगने वाले पेशे को कानून के प्रति जवाबदेही भी स्वीकार करनी होगी।

यहीं बार नेतृत्व से असुविधाजनक सवाल शुरू होते हैं। अदालत में संविधान और प्रक्रिया की दुहाई देने वाले सड़क पर बैरिकेड तोड़कर किस नियम की मिसाल पेश कर रहे हैं? क्या पुलिस से धक्कामुक्की सरकार को विधेयक लिखने पर मजबूर कर देगी? क्या रास्ता रोकना और आम नागरिक को घंटों जाम में फंसाना आंदोलन की सफलता है? विरोध का अधिकार पूर्ण है, लेकिन हिंसा, अवरोध और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं। बार एसोसिएशन को लिखित मांगें, बातचीत के प्रतिनिधि और आंदोलन की स्पष्ट समयसीमा घोषित करनी चाहिए। इस लड़ाई का सबसे कमजोर पक्ष आम वादी है। गांव से किराया खर्च कर अदालत पहुंचा व्यक्ति, दिहाड़ी छोड़कर तारीख पर आया मजदूर, जमानत की प्रतीक्षा करता परिवार इनका नुकसान किस खाते में दर्ज होगा? वकीलों की मांग जायज हो सकती है, लेकिन न्याय मांगने वाले नागरिक को न्याय से वंचित करने का अधिकार किसी संगठन को नहीं। बार नेतृत्व बताए कि आंदोलन के दौरान जमानत, हिरासत, जरूरी सेवाओं और समयबद्ध मामलों की पैरवी कैसे जारी रहेगी। सरकार की देरी का बिल गरीब वादी के नाम क्यों काटा जाए?

कैसरबाग के चैंबर विवाद ने इस टकराव को और उलझाया है। 17 मई को हाईकोर्ट के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई। 72 चिह्नित अतिक्रमणों में पहले चरण में 14 हटे। 25 अक्टूबर को नगर निगम की टीम फिर पहुंची। 30 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने शेष अतिक्रमण और अवैध चैंबर हटाने के लिए तारीख तय कर कार्रवाई करने तथा एक सप्ताह पहले सूचना देने का निर्देश दिया। अदालत ने अगली सुनवाई 17 दिसंबर तय की। लेकिन अदालत के निर्देश को बार-बार टकराव में बदलना भी स्वीकार्य नहीं। सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक जमीन पर कब्जा किसी का अधिकार नहीं वकील का भी नहीं। प्रशासन को बताना होगा कि किस चैंबर को किस आधार पर अवैध माना गया, नोटिस और सुनवाई का अवसर मिला या नहीं। वैध निर्माण को बचाने का रास्ता अदालत है, भीड़ नहीं। सुरक्षा कानून की मांग को अतिक्रमण बचाने की ढाल बनाना गलत है; अतिक्रमण हटाने को अधिवक्ताओं को अपमानित करने का औजार बनाना भी गलत है। दोनों विवादों को अलग रखकर कानून के अनुसार निपटाना होगा।

प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने सरकार को 15 दिन की मोहलत दी है। अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल ने मांगें पूरी न होने पर महापंचायत और आगे के आंदोलन की बात कही है। उसे मसौदा और समयसीमा सामने रखनी चाहिए। बार नेतृत्व को भी बताना चाहिए कि अगली लड़ाई में अदालतें और वादी बंधक नहीं बनेंगे। 2027 के चुनाव से पहले यह विवाद सरकार के प्रशासनिक दावों और बार की पेशागत मर्यादा, दोनों की परीक्षा है। सत्ता तीन साल की देरी का जवाब दे; वकील सड़क पर कानून तोड़ने का औचित्य बताएं। सवाल केवल इतना नहीं कि सुरक्षा कानून कब बनेगा। सवाल यह भी है कि न्याय मांगने वाला आम आदमी कब तक सरकार की सुस्ती और वकीलों की हड़ताल, दोनों की कीमत चुकाता रहेगा?

सैंडपेपर विवाद

वसीम अकरम बोले- निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।

विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी। अकरम के मुताबिक, गेंद की स्थिति में इस तरह का बदलाव अनुभवी गेंदबाजों की नजर से छिपना मुश्किल है।



एक गेंदबाज के तौर पर मुझे तुरंत पता चल जाएगा कि कुछ गड़बड़ है

अकरम ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कहा, मैंने पैट कमिंस को यह कहते हुए देखा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। वह मेरे बहुत करीबी दोस्त, शानदार क्रिकेटर और विश्व क्रिकेट के बेहतरीन नेताओं में से एक हैं। इसलिए हो सकता है कि उस समय पूरी टीम को पता न हो कि क्या हो रहा था। यह मेरी राय है, जो सही भी हो सकती है और गलत भी।

गेंद रगड़कर खुद अंतर देख सकते हैं

रिवर्स स्विंग के विशेषज्ञ माने जाने वाले अकरम ने क्रिकेट प्रशंसकों को भी इस अंतर को समझने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और इस अंतर को देखना चाहते हैं, तो एक थोड़ी पुरानी क्रिकेट गेंद और सैंडपेपर का टुकड़ा लीजिए। उसे गेंद पर रगड़कर देखिए, आपको समझ आ जाएगा कि दोनों तरह के निशान बिल्कुल अलग होते हैं।

मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं

वसीम अकरम ने स्पष्ट किया कि वह इस विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर अपने सीधे रवैये, कड़े प्रतिस्पर्धी स्वभाव और सबसे महत्वपूर्ण ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आठ साल पहले भी इस पूरे मामले के कारण ऑस्ट्रेलिया एक मुश्किल दौर से गुजरा था और अब एक बार फिर पूरा देश तनाव में है। उम्मीद है कि इस मामले का जल्द समाधान निकल जाएगा।

ख्वाजा के बयान पर भड़के थे पैट कमिंस

यह विवाद उस्मान ख्वाजा के हालिया बयान के बाद फिर से चर्चा में आया। ख्वाजा ने दावा किया था कि केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल किए जाने की जानकारी थी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

तेज गेंदबाज बरार न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार



को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने वैभव, बनाया विश्व रिकॉर्ड

15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट



इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान करुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एलीट डिवीजन का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।प्लेट डिवीजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और हर टीम के 5 लीग मैच होंगे। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष 2 टीमें 24 नवंबर को फाइनल खेलेंगी।

पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया-पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। भानु आनंद और परमीश्वरन शिवरामन ने 46-46 रन की पारी खेली, जबकि पुगाझेंडी आकाश ने 14 गेंदों पर 42 रन बनाए।

अच्छी खबर

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए ढूष्ट्ष विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते। दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए।



बुरी खबर

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गई 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया। घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था। नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया। विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रघु के मुताबिक, पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



भारत का न्यूजीलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला आज



माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार

चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी।न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित पर रहेंगी निगाहें

पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कप्तान के रूप में अय्यर का पदार्पण भी निराशाजनक रहा। अब दोनों बल्लेबाज आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी।

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, दूसरे खिताब से एक जीत दूर

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की।



दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं। लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी।

दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था। लक्ष्य सेन ने हाल ही में कोरिया ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, जापान मास्टर्स में उनके प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

सूर्यकुमार ने की तूफानी वापसी, 60 रन की खेली ताबड़तोड़ पारी



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

6 महीने बाद टी20 में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

हैदराबाद की टीम 172 रन पर सिमटी

इससे पहले मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी रही और अमन राव पेराला ने पहले ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ तीन चौके लगाए। हालांकि ठाकुर ने अपने दूसरे ओवर में पेराला को आउट कर बदला चुकता किया। पावरप्ले के छह ओवर में हैदराबाद ने दो विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे।

मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते दर्ज की जीत

हैदराबाद के 172 रनों के जवाब में मुंबई ने 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 173 रन बना लिए। इस तरह मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव और मुशीर खान की अर्धशतकीय पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की।

प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल



रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (जक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया



फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्रावोन', 'नौका डूबी', 'हद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्रावोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।



फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जैन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे हैं, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।



अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया।

अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।

राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

कलेक्टर ने किया धान खरीदी का शुभारंभ, मोहतरा और बिलई केंद्र में पहुंचकर किसानों से की चर्चा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने किया धान खरीदी का शुभारंभ, पूजा अर्चना कर धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में धान खरीदी मापदंड का आज से विधिवत शुभारंभ हुआ। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज धान उपार्जन केंद्र मोहतरा एवं बिलई पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर ने स्वयं किसानों को शाल ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत की। साथ ही प्रबंधकों से धान खरीदी, तौल और भुगतान की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में उपस्थित किसानों से सीधे संवाद किया और कहा कि जिले के किसी भी किसान को धान बेचने में कोई असुविधा नहीं होगी।

जिले के सभी केंद्रों में खरीदी शुरू, किसानों में दिखा उत्साह : कलेक्टर के निर्देश पर जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में एक साथ धान खरीदी शुरू हो गई। सभी केंद्रों में नोडल अधिकारियों ने पहुंचकर खरीदी का शुभारंभ कराया। किसानों में इस बार खरीदी को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही किसान अपनी धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगे थे।

पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था पर जोर : कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। तौल में गड़बड़ी, किसानों से दुर्व्यवहार या अनावश्यक विलंब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन, तौल और भुगतान की पूरी जानकारी समय पर दी जाए। धान खरीदी केंद्र में पीने का पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था, शौचालय की सुविधा अनिवार्य रूप से हो। बारदाने, हमाल, तौल कांटा की पर्याप्त व्यवस्था रहे। कलेक्टर ने कहा कि धान की नमी जांच और गुणवत्ता परीक्षण किसानों के सामने किया जाए। किसानों को भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने निर्देशित की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में रोजाना साफ-सफाई, रिकार्ड संधारण और सीसीटीवी की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए।



किसानों को दिया भरोसा : मोहतरा और बिलई में किसानों से बातचीत के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा है कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम, सही समय पर और सम्मान के साथ मिले। धान खरीदी केंद्र किसानों की सेवा के लिए हैं, इसलिए हर किसान को सहयोग करना अधिकारियों की पहली जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे अपने टोकन के अनुसार ही धान लेकर आएं, ताकि भीड़ और अव्यवस्था न हो, और धान खरीदी सुविधाजनक रूप से हो सके।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश : कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें, किसानों की शिकायतों का तुरंत निराकरण करें और हर दिन की खरीदी की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजें। इस अवसर पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, सहकारी समिति के प्रबंधक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। धान खरीदी के शुभारंभ से जिले के किसानों में खुशी की लहर है। किसानों ने जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस बार खरीदी सुचारू और पारदर्शी तरीके से होगी, इसका उन्हें पूरा भरोसा है।

खास खबर

लोक आस्था का महापर्व : राजनांदगांव में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्पित किया गया पहला अर्घ्य, गूंजे पारंपरिक छठ गीत



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

लोक आस्था, अनुशासन और सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ का मुख्य चरण रविवार को धूमधाम से शुरू हुआ। महापर्व के तीसरे दिन व्रती महिलाओं और पुरुषों ने अपने परिजनों के साथ शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के नदी, तालाब और जलाशयों के तट पर स्थित छठ घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी (डूबते हुए) सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। राजनांदगांव के प्रमुख घाटों और सरोवरों के तटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा माहौल कांच के बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए जैसे पारंपरिक और मधुर छठ गीतों से गुंजायमान रहा।

ठेकुआ और फलों से सजा सूप : व्रतियों ने बांस के सूप में लोक पर्व के विशेष प्रसाद ठेकुआ, कसार, मौसमी फल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री श्रद्धा के साथ सजाई। इसके बाद कमर तक पानी में खड़े होकर पूरी निष्ठा के साथ भगवान भास्कर (सूर्य देव) को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास : छठ का यह महापर्व कठिन तपस्या और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। व्रतियों द्वारा लगभग 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास रखा गया है, जो सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद संपन्न होगा। सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास समाप्त होगा और व्रती अन्न-जल ग्रहण कर पारण करेंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और गोताखोरों के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कबीरधाम में छह दिवसीय नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 24 से, नेत्र जांच की भी मिलेगी सुविधा

कवर्धा। कबीरधाम जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने की दिशा में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर 24 से 29 नवंबर तक छह दिवसीय विशेष स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जिला कबीरधाम द्वारा आयोजित इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी जांच, नेत्र जांच तथा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की हृदय जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिले के अलग-अलग सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में शिविर आयोजित कर लोगों को उनके नजदीक ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है।

उप मुख्यमंत्री की पहल और निर्देश पर आयोजित इस स्वास्थ्य अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को आवश्यक जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान करना और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर उपचार से जोड़ना है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और बच्चों को इन सुविधाओं के लिए जिला मुख्यालय अथवा बड़े अस्पतालों तक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 नवंबर 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर लोहारा में सोनोग्राफी जांच एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित होगा। 25 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया में गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी और नेत्र जांच की जाएगी। 26 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में भी दोनों जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसी क्रम में 27 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुकदूर में सोनोग्राफी, नेत्र जांच और हृदय जांच शिविर लगाया जाएगा। 28 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरेगांव में भी तीनों प्रकार की जांच की सुविधा मिलेगी। वहीं 29 नवंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेंगाखार में सोनोग्राफी, नेत्र एवं हृदय जांच शिविर आयोजित किया जाएगा।

धान खरीदी महाभियान का विधायक दीपेश साहू ने किया विधिवत शुभारंभ

किसानों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर किया आत्मीय स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा



छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाभियान का 15 नवंबर से प्रदेशभर में शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में सेवा सहकारी समिति मर्यादित बेमेतरा एवं सेवा सहकारी समिति बीजाभाट में आयोजित धान खरीदी उत्सव कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक श्री साहू एवं उपस्थित अतिथियों ने धान विक्रय के लिए खरीदी केंद्र पहुंचे किसानों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। साथ ही किसानों की उपज की विधिवत खरीदी प्रारंभ कराई। विधायक ने खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधन को किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार किसान और कृषि है। प्रदेश के अन्नदाता किसानों के अथक परिश्रम से ही राज्य की समृद्धि और विकास की नींव मजबूत होती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके आर्थिक सशक्तीकरण, कृषि विकास और खुशहाली के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। हमारी सरकार का संकल्प है कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और खेती उनके लिए लाभकारी बने।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा हाल ही में की गई महत्वपूर्ण किसान हितैषी घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत सरकार ने किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। अब यदि किसी पात्र किसान के पास प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल के स्थान पर केवल 15 क्विंटल धान की उपज होती है, तब भी उसे प्रति एकड़ के मान से 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्राप्त होगी। पहले कम मात्रा में धान विक्रय करने पर सहायता राशि भी उसी अनुपात में कम हो जाती थी, लेकिन मुख्यमंत्री जी के इस संवेदनशील निर्णय से कम उत्पादन करने वाले किसानों को भी पूरी सहायता राशि का लाभ मिल सकेगा। यह निर्णय विशेष रूप से छोटे, सीमांत एवं कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए आर्थिक संबल साबित होगा।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। यह केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि किसानों के परिश्रम, सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर साकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार किसानों के हित में लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है।

धान खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश : विधायक श्री साहू ने समिति अध्यक्ष, प्रबंधक एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीदी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। किसानों के लिए उचित तौल, बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। धान खरीदी में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ ही उपज का समय पर उठाव भी सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप व्यवस्थित तरीके से धान खरीदी की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। विधायक ने किसान भाइयों से अपील की कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन प्राप्त कर अपनी उपज खरीदी केंद्रों में लेकर आएं और शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा और सुचारू धान खरीदी के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कार्यक्रम के समापन पर विधायक श्री साहू ने समस्त अन्नदाता किसानों को धान खरीदी महाभियान की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक किसान आर्थिक रूप से समृद्ध और खुशहाल बने, यही हमारी सरकार का संकल्प है। किसानों के चेहरे पर मुस्कान और उनके परिवारों में खुशहाली लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस अवसर पर युगल देवांगन, महेश साहू, हर्षवर्धन तिवारी, मोंटी साहू, सोसायटी अध्यक्ष दोहई लाल वर्मा, पार्षद विकास तम्बोली, पंचू साहू, नीतू कोठारी, लक्की साहू, रोहित साहू, शेखर वर्मा, ओमकार साहू, भानूराम साहू, देवराम साहू, निर्भय गोस्वामी, राकेश वर्मा, राजीव तम्बोली, समिति प्रबंधक विनोद कुमार राजपूत, अपर कलेक्टर पी.के. साहू, खाद्य अधिकारी ओमकार सिंह ठाकुर, आर.के. वारे, शाखा प्रबंधक एवं नोडल अधिकारी एस.के. जांगड़े, ए.के. सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

धान खरीदी के शुभारंभ पर किसानों में दिखा उत्साह, पहले दिन 92 किसानों ने बेचा 34 सौ क्विंटल धान



जिले में 16 नए उपार्जन केंद्रों सहित किसानों के लिए की गई हैं व्यापक व्यवस्थाएं, अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने 14 चेकपोस्ट स्थापित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर से हो गया। धान खरीदी के पहले दिन ही उपार्जन केंद्रों में किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला। किसान निर्धारित प्रक्रिया के तहत टोकन लेकर अपने धान का विक्रय करने पहुंचे। धान खरीदी के प्रथम दिन जिले में कुल 92 किसानों ने 34 सौ क्विंटल धान का विक्रय किया। वहीं 96 किसानों को कुल 4 हजार क्विंटल धान विक्रय के लिए टोकन जारी किया गया था।

शासन द्वारा धान खरीदी के लिए 15 जनवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित की गई है। जिले में किसानों की सुविधा और सुगमता को ध्यान में रखते हुए 16 नए धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, ताकि किसान बिना किसी परेशानी के अपने नजदीकी केंद्रों में धान का विक्रय कर सकें। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू बनाए रखने के साथ-साथ अवैध धान परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तर पर 14 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। यहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर निगरानी की व्यवस्था की गई है। वहीं विकासखंड स्तर पर तहसीलदारों की अध्यक्षता में विशेष निगरानी दल का गठन किया गया है, जो धान खरीदी व्यवस्था पर सतत नजर रखेंगे। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी की सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और किसानों को सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

जिले में धान खरीदी उत्सव का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने नवीन धान उपार्जन केंद्र भावसा में किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राधिका अंधारे, जिला पंचायत सदस्य रेखा कोठारी, सरपंच सरोज तुलावी, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, लक्ष्मेंद्र शाह एवं राजू गुजराती सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं किसानों ने धान खरीदी उत्सव में सहभागिता की। नवीन धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ होने से क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज के विक्रय में सुविधा मिलेगी।

शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों को उनके द्वारा बेचे गए धान के समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 13,839 रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि उन किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी, जिन्होंने अपने खेत का एग्रीस्टैक पंजीयन कराया है तथा जिनकी फसल का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया गया है। इस योजना का उद्देश्य किसानों की खेती की लागत को कम करना, उनकी आय में वृद्धि करना तथा आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना है।

जिले में कौशल पखवाड़ा शिविर का होगा आयोजन, युवाओं को मिलेगा नि :शुल्क कौशल प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कौशल विकास प्राधिकरण मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा जिले के हितग्राहियों को नि:शुल्क आवासीय एवं गैर-आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से कौशल पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से जिले के युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों को विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शिविर का आयोजन 16 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक जिले के अलग-अलग ग्रामों में किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर को भड़सेना, 17 नवंबर को बिहरीकला, 18 नवंबर को पीपरखार, 19 नवंबर को करमतरा तथा 20 नवंबर को आटरा में शिविर आयोजित किया जाएगा। सभी शिविर संबंधित ग्राम पंचायत भवन में लगाए जाएंगे, जहां हितग्राही कौशल प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

शिविर के माध्यम से सोलर पीवी इंस्टॉलर, प्लंबिंग, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (आवासीय प्रशिक्षण), सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर, इलेक्ट्रीशियन, मशरूम ग्रोवर तथा फील्ड टेक्नीशियन एंड अदर होम एप्लायंस जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार तकनीकी और व्यावसायिक कौशल से जोड़ना है, ताकि वे रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकें। इस कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत हितग्राहियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़ने का लाभ मिलेगा। जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा जिले के युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने नजदीकी ग्राम पंचायत भवन में आयोजित शिविर में पहुंचकर योजना की जानकारी प्राप्त करें और निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

धान खरीदी के नए प्रावधान से किसानों को मिल रहा लाभ

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिए जा रहे निर्णयों का लाभ अब किसानों को मिल रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने के पहले ही दिन किसानों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। इसी कड़ी में कबीरधाम जिले के मंडलाटोला निवासी किसान मनोज कुमार वर्मा ने बोड़ला धान उपार्जन केंद्र में अपना 82 क्विंटल धान विक्रय किया। धान विक्रय के दौरान शासन द्वारा किसानों के हित में किए गए नए प्रावधानों की जानकारी मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट किया। किसान श्री मनोज वर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी व्यवस्था में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

धान खरीदी सुबह से ही किसान ट्रैक्टर और छोटे मालवाहक वाहनों में धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगे

कन्हारपुरी से धान खरीदी की शुरुआत, महापौर यादव ने तिलक लगाकर किसानों का किया स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी रविवार से शुरू हो गई। पहले दिन 117 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की शुरूआत हुई और 805 किसानों को टोकन जारी किए गए। किसानों ने टोकन तुंहर द्वार मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त किया। सुबह से ही किसान ट्रैक्टर और छोटे मालवाहक वाहनों में धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगे। जिले में खरीदी का शुभारंभ राजनांदगांव विकासखंड के कन्हारपुरी उपार्जन केंद्र से हुआ। यहां परंपरा के अनुसार कांटा-बांट की पूजा-अर्चना कर खरीदी शुरू की गई। महापौर मधुसूदन यादव ने धान बेचने पहुंचे किसानों को पुष्पमाला पहनाई और तिलक लगाकर स्वागत किया।

खैरझिटी केंद्र खुलने से 5 किमी की दूरी बची

इस साल शुरू किए गए 26 नए उपार्जन केंद्रों में भी पहले दिन किसानों में उत्साह रहा।



राजनांदगांव विकासखंड के खैरझिटी केंद्र में धान बेचने पहुंचे किसान गोविंद सिंह ने बताया कि पहले उन्हें करीब 5 किलोमीटर दूर दूसरे केंद्र तक जाना पड़ता था। इससे परिवहन में समय और अतिरिक्त खर्च लगता था। गांव के पास ही केंद्र खुलने से अब यह परेशानी दूर हो गई है।

गोविंद सिंह पहले दिन 86 क्विंटल धान लेकर केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनका धान सुविधाजनक तरीके से खरीदा गया। खैरझिटी केंद्र से जोगातराई, खैरझिटी, डुमरडीह खुर्द और कलडबरी के किसानों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने नया केंद्र शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया।बीज खरीदें

2,934 किसान ज्यादा पंजीकृत

जिले में इस वर्ष कुल 1 लाख 35 हजार 167 किसानों का पंजीयन हुआ है, जबकि पिछले साल यह संख्या 1 लाख 32 हजार 233 थी। इस तरह पंजीकृत किसानों की संख्या में 2,934 की बढ़ोतरी हुई है। किसानों को नजदीक में धान बेचने की सुविधा देने के लिए उपार्जन केंद्रों की संख्या भी 96 से बढ़ाकर 122 की गई है। नए केंद्र खुलने से किसानों को लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। इससे समय, श्रम और परिवहन खर्च की बचत होगी। जिला प्रशासन ने उपार्जन केंद्रों में खरीदी सुचारू रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं।

पहले दिन 726 किसानों ने बेचा 26,361 क्विंटल धान, 814 किसानों को जारी हुए थे टोकन



खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई है। पहले दिन जिले के 118 उपार्जन केंद्रों में 726 किसानों से 26 हजार 361.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई। खरीदी के लिए जारी 814 टोकन में से 89.19 प्रतिशत किसानों ने पहले दिन ही केंद्र पहुंचकर धान बेच दिया।बीज खरीदें पहले दिन जारी टोकन में 27 समितियों के माध्यम से और 787 मोबाइल एप के जरिए किसानों ने स्वयं प्राप्त किए थे। इन टोकन के आधार पर कुल 32 हजार 655.60 क्विंटल धान विक्रय के लिए एंजीकृत किया गया था। इनमें से 726 किसानों ने अपनी उपज बेची।

मोबाइल एप से टोकन लेने वालों की संख्या अधिक : मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त करने वाले 702 किसानों से 25 हजार 548 क्विंटल धान खरीदा गया। वहीं समितियों के माध्यम से टोकन लेने वाले 24 किसानों ने 813.20 क्विंटल धान बेचा। एप से टोकन लेने की सुविधा से किसान अपनी सुविधानुसार टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर उपज बेच पा रहे हैं। जिला प्रशासन ने खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा



बात निकलेगी तो

छत्तीसगढ़ में यह दौर शायद हालिया है जबकि गैंग बनाकर कैरेक्टर एसिनेशन किया जाए। गौर से देखें तो यह दौर करीब दो साल पहले शुरू हुआ। इस गैंग को सरपरस्ती दूसरे स्टेट भेजे जा चुके एक भाईसाब की थी। भाईसाब की कोटरी के लोगों की वाह वाह के साथ आयुर्वेदिक गोली ने भी जबरदस्त जादू दिखाया। आयुर्वेदिक गोली के जरिए ही गैंग की असल कमान उस खटराल अफसर के हाथ आई जिसका ज़िक्र उपर के कॉलम में है। बहरहाल लोग सोचते रहे कि जुते चला दें लेकिन फिर यह भी ख़्याल कदम रोक गया कि कौन कीचड़ में उतरे। लेकिन लोगों की सोच को गैंगबाजों ने डर मान लिया। वक़्त के साथ साथ जब गैंगबाजों ने देखा कि कोई प्रतिरोध नहीं हो रहा तो हिम्मत और बढ़ी। शब्दों से हिंसा ही नहीं बल्कि करीब करीब पोर्नोग्राफी कंटेंट के अंदाज में महिलाओं को टार्गेट किया गया। जाहिर है ये महिलाएँ सरकारी अफसर थीं या कि गंभीर दायित्व में थीं। बात यहीं से बिगड़ी। सधे अंदाज में मौका तब मिल गया जबकि गैंगबाजों में आपसी घमासान हुआ। फौरन से पेश्तर एफआईआर दर्ज हुई और सबसे पहले मोबाइल जप्त हुए।यहीं से तस्वीरों और संदेशों का खजाना निकला। वह खजाना जो कभी डिलीट भी हो गया था वह भी रिकवर हो गया। अब कफील अजर की पंक्ति याद आ रही है -'बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी

पाप लगेगा

जब से विभिन्न प्रकार की तस्वीरें जो कि एक ही दिशा और दशा को स्थापित करती हैं वे जब व्हाट्सएप पर तैरने हुए सहापी के पास पहुंची और एक नई कई नंबरों से पहुंची तो सहापी का ध्यान एक नंबर पर टिक गया,दरअसल ये भाईजी सज्जन सरल मिजाज के हैं और इन्हें ऐसे विषयों पर कोई रुचि लेते नहीं देखा गया था,लेकिन जब इस नंबर से भी तस्वीरें अवतरित हुई तो सहापी ने भाईजी से पूछा - 'सर..आप कैसे भेज रहे हैं ?' भाईजी ने जवाब दिया-'मुझे भेजने वाले ने तस्वीरों के साथ नीचे लिखा था 11 लोग को भेजो नहीं तो बड़ा पाप होगा,गंभीर नुकसान होगा। इसलिए मैंने आगे भेज दिया।' सहापी इस बात पर कुछ बोलता तभी भाईजी का एक नया मैसेज व्हाट्सएप पर आया। भाईजी ने उस पर वही मैसेज चिपकाया था कि- जल्दी से 11 लोग को भेजो वर्ना बड़ा पाप लगेगा कोई गंभीर नुकसान हो जाएगा।

मजाक है

गुल्लू जानी चचा गुस्साए नया रायपुर में भेंटा गए। सहापी ने बस पूछा कि चचा काहे गुस्सा गुस्सा दिख रहे हो और चचा धाराप्रवाह शुरू हो गए। चचा ने कहा सहापी अब जो पूछे हो तो बता रहा हूँ,देखो छत्तीसगढ़ में सरकार आई क्योंकि महतारी वंदन हुआ,सरकार जिस पार्टी की उसकी राज्य प्रभारी महिला बनी। राज्य की गृह सचिव महिला बनी। उसके बाद भी कथित जर्नलिज्म के नाम पर जो महिलाओं की इज्जत उतारी गई झिंझोड़ी गई उस पर चुप्पी भी सुशासन का ही नमूना है। पाँचवे माले में बैठे लोग हों या कि पुलिस महकमे के आला अधिकारी ये सब जानते थे/हैं कि इस गंदगी का असल रचनाकार और संरक्षक कौन है लेकिन सुशासन का अंदाज देखो कि,सब चुप बैठे रहे। क्या ही ये तंत्र है और क्या ही ये अजीब सिस्टम को सड़ाते हुए सड़ांध मारते लोग हैं। इस सुशासन सरकार में महतारी वंदन का यह अंदाज भी भला नागरिक क्यों याद नहीं रखेगा, और दुत्कार कर भगाने के बजाय ऐसे आर्टिकल के असल रचनाकार और संरक्षक को चैंबर में घंटों बैठाने वाले असल चिरांध हैं,तो बताओ हम गरियाएँ नहीं,रिसाएँ नहीं तो और क्या करें ?' चचा बहुत ही सीरियस नोट पर थे तो सहापी भागते भागा। अब उन्होने जो बोला उसे बहुत सेंसर कर के लिखना जरुरी था वर्ना चचा के तोप की नाल अगली बार सहापी पर चलती।

मारे गए गुलफाम

राजधानी में तीरंदाज पुलिस को छोटा छतरी मिल नहीं रहा है। जाहिर है इस फेर में आला अफसरों का गुस्सा आसमान में हैं। इस धधकते गुस्सा गोसाईं मोड में कनस्तर भर घी तब पलट गया जबकि एक वीडियो वायरल हो गया। इस वायरल वीडियो में छोटा छतरी के साथ क्राईम स्क्वायड के दो रणबाँकुरे और बस्तर रेंज में तैनात टीआई साहब गुलफाम हुए चहकते नुमाया थे। नतीजा ये हुआ कि दो रणबांकुरे सिपाही को फौरन से पेश्तर संस्पेंड हो लिए, रह गए टीआई साहब तो उनका मसला बस्तर आईजी को पत्र के जरिए भेजा गया है। पत्र में वीडियो के ज़िक्र के साथ छोटा छतरी की आपराधिक शोहरत और मौजूदा फरारी का प्रसंग लिखते हुए आवश्यक कार्यवाही की अपेक्षा की गई है। अफवाह है कि यह पत्र यह सवाल भी कर रहा है कि, अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित इलाके में पदस्थ कोतवाल सैकड़ों किलोमीटर दूर आमोद प्रमोद करते दिखे तो यह अनुमति उन्हें किस व्यवस्था के तहत दी गई। वैसे टीआई साहब को लेकर अफवाह है कि उन्हें सरहदी इलाके के एक रेंज में पदस्थ आईजी और पीएचक्यू में पदस्थ एक एडीजी की विशेष कृपा और दुलार हासिल है। लेकिन ये सब अफवाह भी हो सकती है, हो सकता है कि टीआई साहब किसी बड़े केस की इन्वेस्टिगेशन में आए हों और थक कर चाय पानी पीने बैठे हों उसी वक्त दुश्मनों ने वीडियो बना लिया हो और फिर बेसिर पैर की बात उड़ा दी हो।

उलगुलान की आहट

पंद्रह नंवबर को नितिन नबीन की उपस्थिति में बीजेपी धरमजयगढ में जो विशाल सम्मेलन कर रही है,उसमें भीड़ को लेकर परेशानी नहीं होगी क्योंकि बीजेपी सत्ता में है। बताया गया है कि यह वनवासियों को रिझाने की जबर कवायद है। सरकार भीड़ लाएगी और संगठन बताएगा कि जनजातियों का भला केवल बीजेपी कर रही है। क्या गजब का संयोग है कि आदिवासी बाहुल्य यह उस इलाके में हो रहा है जहां खदानें सब कुछ लीलने ही वाली हैं ।याने वे आदिवासी लाए जाएंगे जिनकी जमीनों पर कोयला खदानें संचालित होंगी और मंच से भाईसाब लोग बताएँगे कि देखो विकास लाएगी तो केवल भाजपा। लेकिन बीजेपी के इस अंत्योदय को छोड़िए नजर उधर टिकाइए जो पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हैं। ये पोस्टर जय जोहार जय आदिवासी के नारे के साथ इस आयोजन पर सधे तरीके से कई सवाल खड़े कर रहे हैं और कुछ संकेत भी दे रहे हैं। सर्व आदिवासी समाज की ओर से जारी इन पोस्टरों में जिस पंक्ति पर नजरें टिकी उस पर लिखा है - 'वनवासी की सरकार है,अबकि बार आदिवासी की सरकार बने।' पोस्टर में एक और जगह लिखा है- 'आदिवासी हैं आदिवासी ही पहचान रहे।' कई सवालों में एक सवाल ये भी है - 'स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को जनजाति तक सीमित क्यों किया जा रहा है उनका जन्मदिन भारतीय गौरव दिवस के रुप में क्यों नहीं मनाया जाना चाहिए।' अडानी और उत्खनन के साथ साथ जल जंगल जमीन के मुद्दे भी इन पोस्टरों में शामिल हैं। सवाल ये भी है कि नक्सलियों के नाम पर कैद कितने लोग बिरसा मुंडा जयंती पर छोड़े जा रहे हैं ?

गन्ना

सरकार धान पर लुभावन एलान कर गई है,अब इससे कितना लाभ होता है कितने किसान सरकार से प्रसन्न रहते हैं और इस फेर में सरकार की लुढ़कने के कगार पर खड़ी अर्थव्यवस्था का क्या होता है यह सब आगे समझ आएगा। बहरहाल सुशासन में नित नए कौतूक करती सरकार को गन्ना किसानों का मसला भी देखना चाहिए। क्वालिटी के मानकों के आधार पर छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में अलग-अलग रेट निर्धारित हैं। राज्य में गन्ना किसानों की भी प्रभावकारी संख्या है। अब ये असमानता ही समस्या बन रही है। यह मसला गंभीर कैसा है इसे इस बात से समझिए कि इस मसले पर एक मंत्री जी को सीएम हाउस में घंटों डटना पड़ गया। गन्ना किसानों के लिए इस जद्दोजहद का रिजल्ट उतना मनोनुकूल नहीं रहा,क्योंकि यह विषय ऐसा है जिसमें सेंट्रल अहम किरदार निभाता है। बताते हैं यही वह पेंच था जिसके चलते हाउस भी चाहने के बावजूद तत्काल ही कोई रास्ता नहीं निकाल पाया। हाँ,यह जरुर हो गया कि मंत्री जी की घंटो की कवायद पर चर्चा खूब हो गई।

हे भारसाधक..!

जानें किस की उड़ाई अफवाह है जिस वजह से ये माहौल बन गया है कि एक डिपार्टमेंट ऐसा है जहां फर्जी सर्टिफि केट के आधार पर सबसे ज्यादा लाभार्थी मौजूद हैं। किसी का विकलांगता प्रमाण पत्र फर्जी तो किसी की जाति का प्रमाण पत्र ही सवालों में। अफवाहें कह रही हैं कि यह उस डिपार्टमेंट का मसला है जिसके भार साधक खुद मुख्यमंत्री हैं। यह भी है कि नौकरी पर मौजूद ऐसे 'साहब' जिनकी संख्या कम से कम दो दर्जन है,इस सरकार में नौकरी नहीं पाए हैं।पहले से नौकरी पर हैं।लेकिन नजर में चमकने लायक मसले इसी सरकार के कार्यकाल में हो रहे हैं ।पर ठीक है ये सुशासन सरकार राज है। इस राज में सबसे बड़ा निर्णय ही यह है कि कोई निर्णय नहीं लिया जाए,जब तक चल सके चलाते रहो,जब तक ढंपा सके ढंपाए रहो।

जज्बाती नेता

नेता वही अच्छा होता है जो जज्बाती होता है ।अब ये अलग बात है कि कौन नेता किस लिए जज्बाती हो रहा है। जैसे बस्तर में नेताजी लोग जज्बाती हुए बैठे हैं। मसला भी ऐसा ही है। हुआ ये कि सरकार ने नेताजी लोग का सुरक्षा घेरा रिव्यू किया और फिर कई नेताजी लोग का सुरक्षा घेरा मानक घट गया। कुछ का तो हट ही गया। अब सुरक्षा घेरा सुरक्षा तो देता ही है एक वक्त वाद स्टेटस सिंबल भी हो जाता है। यहां यह भी याद रखिए कि,सुरक्षा घेरा के लिए सुरक्षा बल और गाड़ी यह भी सरकार मुहैया कराती है। याने गाड़ी घटी तो गाड़ी भी हट गई। स्टेटस सिंबल पर जो असर हुआ सो अलग।अफवाह तैरी कि एक नेताजी जज्बाती होकर जनजाति समाज के बड़े कार्यक्रम में नहीं गए। ऐसा ही मसला कई और नेताजी के साथ हो रहा है,लेकिन जज्बाती होने की एक वजह यह भी है कि,अब कई नेताजी अपने दम पर तो मोटरसाइकिल पर ही चल सकते हैं वह बाईक पर खुद के साथ समर्थक को बैठाएँ या सुरक्षा वाले को,क्योंकि गाड़ी तो सरकार वापस ले गई। और हाँ ये मसला और ज्यादा जज्बाती कर रहा है कि,नेताजी लोगों को जाने किसने फूँका है कि बीजेपी से जुड़े नेताजी लोग का सुरक्षा घेरा घटा है लेकिन कांग्रेस से जुड़े नेताजी लोग को इस रिव्यू से खास फर्क. नहीं पड़ा है।

जालिम सिंह चचा ने जो फरमाया है वह काबिले गौर है या कोरी गप्प,खुदा ही जानें लेकिन जो उन्होंने मंत्रालय के नीचे भजिया चाय के साथ संदेश जारी किया वह गजब था। चचा अपने शागिर्दों से फरमा रहे थे कि,सूबे में मोबाइल और उनसे निकल रही तस्वीरों की खूब चर्चा है इन तस्वीरों से बाकी जो है सो तो हैं लेकिन जिस एक शख़्स पर जाकर यह सब टिक जा रहा है। जिसे हर उत्पात उपद्रव और उपद्रवियों का संरक्षण दाता और डायरेक्टर प्रोड्यूसर माना जा रहा है यह वही अधिकारी है जिसे मानवीय संवेदनाओं से भरपूर एक युवा आईपीएस की असामायिक मौत के लिए जनचचाओं में ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। अपने धतकरम की वजह से जेल यात्रा कर चुके और नौकरी से करीब करीब बाहर हो चुके इस साहब बहादुर को राज्य के दो मंत्री और संगठन में प्रभावी रहे एक पूर्व पदाधिकारी की अहम भूमिका की वजह से ना केवल दायित्व मिला बल्कि यह इन्ही तीन की वजह से सुप्रीम कोर्ट में होने वाली उस अपील को रुकवाने में भी सफल हो गया जिस अपील के दायर होने से यह अफसर कानूनी पेंच में बहुत बुरी तरह फंस जाता।

दुधली सहकारी समिति में धान खरीदी प्रारंभ

दुधली समिति में धान खरीदी का शुभारंभ, किसानों ने किया विष्णुदेव सरकार के फैसले का स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / दुधली-बालोद



दुधली सहकारी समिति में आज सुबह धान खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। खरीदी शुरू होने से किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। किसानों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के किसान हितैषी फैसलों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों से कृषि क्षेत्र को मजबूती मिल रही है।

किसानों ने धान खरीदी व्यवस्था को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। खरीदी केंद्र में सुबह से ही चहल-पहल रही और किसान अपनी उपज बेचने पहुंचे। किसानों ने कहा कि धान खरीदी किसानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के प्रयास सराहनीय हैं। इस अवसर पर उपस्थित किसानों ने सरकार के प्रति आभार जताते हुए खरीदी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने की अपेक्षा की।

गोवर्धन पूजा पर डौंडी ब्लॉक के गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / दल्लीराजहरा-डौण्डी

आदिवासी विकासखंड डौंडी के विभिन्न गांवों में गोवर्धन पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रतिनिधि व विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत में पीयूष सोनी ने समस्त ग्रामवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए गांव, प्रदेश और देश की खुशहाली की कामना की।

वे ग्राम पंचायत टेमाबुजुर्ग, कुम्हड़टटा, ऊकारी, दारूटोला, मरकाटोला और सुरडोंगर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत खास है। आस्था का यह पर्व हमें प्रकृति, पर्यावरण, गौवंश और अन्नदाता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने कहा

विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी हुए शामिल



कि भगवान श्रीकृष्ण ने सिखाया कि हमारी असली आस्था उस प्रकृति और पर्यावरण में होनी चाहिए जो हमें जीवन देती है। गोवर्धन पर्वत, हरियाली, नदियां और गौमाता हमारे जीवन के आधार हैं। गोवर्धन पूजा के दिन गौमाता की सेवा का विशेष महत्व है क्योंकि गौवंश हमारी संस्कृति और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं अन्नकूट का प्रसाद हमें अन्न का सम्मान और आपस में मिलजुल कर रहने की सीख देता है।

उन्होंने ग्रामीणों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, गौमाता की सेवा करेंगे और समाज में प्रेम, भाईचारा और समृद्धि के लिए प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी गांवों के ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि पीयूष सोनी का शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवप्रसाद बाल्ला, जनपद सदस्य कुलदीप साहू, आदेश्वर भेंडिया, ब्लॉक कांग्रेस सचिव कैलाश राजपूत, रविकांत देशमुख, सोमन गौर, टेमन कौशिक, बढ़कू साहू सहित विभिन्न गांवों के सरपंच, पंच और ग्रामीण जन उपस्थित थे।

बच्चों के अंतर्मन की शक्तियों को निखारने के लिए ब्रह्माकुमारीज का अनोखा आयोजन

'मेरे अंदर का जादू'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई





प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों के लिए विशेष स्नेह मिलन समारोह 'मेरे अंदर का जादू' का आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन का उद्देश्य बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभाओं, आंतरिक शक्तियों और श्रेष्ठ संस्कारों को पहचानकर प्रोत्साहित करना था।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जो चित्र हम मन में बनाते हैं, वही बाहर आविष्कार के रूप में प्रत्यक्ष होता है। संकल्पों में अपार शक्ति है, इसलिए बच्चों को हमेशा श्रेष्ठ, सकारात्मक और रचनात्मक सोचना चाहिए। उन्होंने बच्चों को 'आंतरिक शक्तियों का गुल्लक' बनाने का होमवर्क दिया, जिसमें प्रतिदिन गुणों और एकाग्रता की शक्ति जमा करने की प्रेरणा दी।

भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि बच्चे बुराइयों से बचे हुए पवित्र आत्माएं हैं। बच्चे अपने जीवन को मूल्यवान संस्कारों से चमकाएंगे तो स्वर्णिम भारत और बेहतर विश्व का निर्माण होगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ऑल इंडिया लीनिस क्लब की प्रांतीय अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल और साहित्यकार शिरोमणि माथुर ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को मोबाइल-इंटरनेट की दुनिया से निकालकर व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों की ओर ले जाना प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम में बच्चों को चार आयु वर्गों - 'नन्हे अंकुर', 'उड़ते पंख', 'असली प्रतिभा' और 'उज्ज्वल युवा' में वर्गीकृत कर उनकी रुचि अनुसार गतिविधियां कराई गईं। गेम जोन में फोकस स्टार, कॉन्फिडेंस स्टार, पेशेंस स्टार और पोलाइट स्टार देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। अंत में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और सभी को प्रभु उपहार प्रदान किए गए।

मुंगेली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 तस्कर गिरफ्तार

मुंगेली। भारत सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत मुंगेली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत साइबर सेल और सिटी कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने 4 आरोपियों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10.20 ग्राम ब्राउन शुगर जिसकी कीमत 59 हजार रुपये और 3 मोबाइल फोन कीमत 1 लाख 6 हजार रुपये, कुल 1 लाख 65 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि सरदार पटेल वार्ड में सुरेन्द्र पटेल के घर के पीछे बाड़ी में चार व्यक्ति ब्राउन शुगर बिक्री के लिए रखे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर रेड की और चारों को हिरासत में लिया।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100